दि. १६/१०/२०१९

कल्याण, जि. ठाणे

विषय : मुझे समाज से प्रतारित किये जाने के बारेमें...

शिकायत कर्ता : **अली असगर अब्बास सरफअली कपासी, जयतिरुपती को.ऑ.हौ.सो., ए विंग, ३रा मजला, पंडित वाडी, गांधी चौक, कल्याण (प.)**

शिकायत धारक : **१) मौलाना (काजी)**
बोहरा मस्जीद ट्रस्ट, कल्याण जमात,
बारदान गली, बाजारपेठ पोलीस स्टेशन के पास,
कल्याण (प.), जि. ठाणे

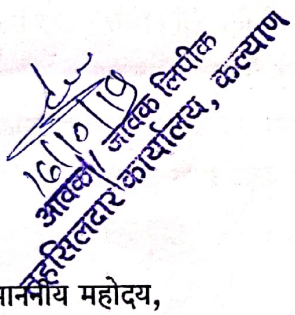

२) सय्यदना अलीकदर सैफूदीन
बद्री महल, दादाभाई नौरोजी रोड,
धोबी तलाव, बदामवाडी, फोर्ट, मुंबई-४०० ००१, महाराष्ट्र

माननीय महोदय,

मै अली असगर अब्बास सरफअली कपासी आपसे यह अनुरोध करता हु की, मै बोहरा मुस्लीम जमात से ताल्लुकात रखता हुं। मेरा आपसे अनुरोध यह है की हमारे समाज से ताल्लुकात रखते हुए सभी धार्मिक विधी, कार्य हमारे मस्जीद ट्रस्ट के द्वारा हमारे धर्मगुरु सय्यदना से भेजे हुए काजी से किए जाते है। हमारे समाज मे मस्जीद के मेंटेनन्स से समंधीत कई सारे पैसे सालाना उसूले जाते है, जैसे की मस्जीद मेंटेनन्स यह हम हमेशा भरते है, भरते आरहे हैं। लेकीन कुछ महिनोसे इस मेंटेनन्स के साथ कई प्रकार के गैरलागू पैसो की मांग के तौरपर जैसे इकराम हज, मदरसा, नियाज, कब्रस्थान के ऐसे कई प्रकार के पैसे जबरदस्तीसे हमसे वसुले जा रहे है। यह सारासर गलत है और इस पैसो का सालाना या कभी भी हिसाब तक नही दिया जाता है। ऐसे कई गैरजरुत पैसो की मांग सभी लोंगों से कि जाती है। वो भी जबरदस्ती से। हमारे धर्मगुरु सय्यदाना कहते है की वो हमारे पीता है, वोही हमारे सबकुछ है। उन्ही के आदेश से यह सबकुछ चलता है। हमारा मस्जीद का बहोत सारा पैसा उन्ही के घर पहुच जाता है। यह सब गैरजिम्मेदाराना हरकत है। भारत के संविधान के दायरे से इनका कुछ भी व्यवहार नही चलता, वो जो कहेंगे वोही चलता है। यह सबकुछ जोरजबरदस्ती से, मनमानी से हो रहा है। और इसवजह से हमारे समाज मे बहोत से लोग प्रताडित हो रहे है। लेकीन इसके खिलाफ कोई आवाज नही उठा पा रहा है।

Scanned with OKEN Scanner